MP BOARD CLASS 10 SOCIAL SCIENCE MODEL PAPER 2 WITH ANSWER

:: खण्ड -अ ::

वस्तुनिष्ठ प्रश्न-

प्रश्न 1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(1) नदियों, झीलों व छोटे-बड़े जलाशयों का जल ..... कहलाता है।

(2) मध्यप्रदेश में अखबारी कागज बनाने का कारखाना ..... में है।

(3) भारत में सबसे अधिक बाढ़ प्रभावित राज्य ..... है।

(4) तात्या टोपे ..... युद्ध में पारंगत थे।

(5) 'जय हिन्द' का नारा ..... ने दिया था।

प्रश्न 2. सही जोड़ी बनाइये-

(अ) जॉब कार्ड	(1) कालाबाजारी
(ब) मछली पालन	(2) भारतीय नमकं संस्थान
(स) आई.एस.आई.	(3) प्राथमिक क्षेत्र
(द) पूँजीवाद	(4) पंजीकृत परिवार
(इ) उपभोक्ता शोषण	(5) व्यक्तियों का

प्रश्न 3. प्रत्येक का एक वाक्य/शब्द में उत्तर दीजिए:

(अ) ताशकन्द समझौते पर हस्ताक्षर किन देशों ने किए?

(ब) भारत में रेल सेवा किस वर्ष आरम्भ हुई?

(स) किस संविधान संशोधन के द्वारा संविधान में मौलिक कर्तव्य जोड़े गये?

(द) मध्य प्रदेश की विधान सभा की सदस्य संख्या क्या

(इ) भारत में प्रथम पंचवर्षीय योजना कब लागू की गयी?

प्रश्न 4. सत्य/असत्य बताइएः

(अ) उपभोक्ता सुरक्षा अधिनियम, 1986 में पारित किया गया।

(ब) सेवा क्षेत्र अर्थव्यवस्था का द्वितीयक क्षेत्र होता है।

(स) साख मुद्रा के अन्तर्गत चेक, हुण्डी, ड्राफ्ट आते हैं।

(द) अशिक्षा लोकतंत्र के लिए एक बड़ी चुनौती है।

(इ) काली मिट्टी कपास उत्पादन के लिए उपयुक्त है।

प्रश्न 5. सही विकल्प चुनकर लिखिएः

(अ) 1857 के संग्राम के समय भारत के गवर्नर जनरल थे-

(i) डलहौजी (ii) बैंटिंक (iii) कैनिंग (iv) रिपन :

(ब) भारतीय संविधान में कितने अनुच्छेद हैं?

(i) 350 (ii) 390 (iii) 395 (iv) 370

(स) राज्य सभा का सभापति कौन होता है-

(i) राष्ट्रपति (ii) प्रधानमंत्री (iii) उपराष्ट्रपति (iv) गृहमंत्री।

(द) जनसंख्या की दृष्टि से भारत को विश्व में कौनसा स्थान है-

(i) तीसरा (ii) दूसरा (iii) सातवाँ (iv) पाँचवाँ

(इ) कृषि क्षेत्र सम्मिलित है-

(i) प्राथमिक में (ii) द्वितीयक में (iii) तृतीयक में (iv) द्वितीयक एवं तृतीयक दोनों में।

खण्ड -ब

प्रश्न 6. मृदा संरक्षण से आप क्या समझते हैं?

अथवा

ऊर्जा के परम्परागत एवं गैर-परम्परागत साधनों के नाम बताइये।

प्रश्न 7. 1857 के स्वतंत्रता संग्राम का तात्कालिक कारण क्या था?

अथवा

नाना साहेब के योगदान को लिखिए। http://www.mpboardonline.com

प्रश्न 8. 'जॉब कार्ड' क्या है? इसे कैसे प्राप्त किया जाता है?

अथवा

भूमि विकास बैंक किसान को किस अवधि के लिए ऋण देता है?

प्रश्न 9. ज्ञान आधारित समाज किसे कहते हैं? 2

अथवा

दूरसंवेदी इकाई से क्या आशय है?

प्रश्न 10. एकाधिकार क्या है?

अथवा

उपभोक्ता शोषण के दो प्रकार बतलाइये।

प्रश्न 11. संशोधित वन नीति, 1988 का मुख्य आधार क्या है?

अथवा

श्वेत क्रान्ति क्या है?

प्रश्न 12. मृदा परिच्छेदिका से क्या तात्पर्य है? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

खनिज पदार्थों के संरक्षण के उपाय बतलाइए।

प्रश्न 13. सन् 1857 की क्रांति में मंगल पाण्डे की क्या भूमिका रही?

अथवा

भारत में राष्ट्रीय जागृति के विकास में पश्चिम के विचारों और शिक्षा ने क्या भूमिका निभाई?

प्रश्न 14. सन् 1857 की क्रान्ति के आर्थिक कारण लिखिए।

अथवा

उग्र राष्ट्रवादी आन्दोलन के विकास तथा कार्यपद्धति पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिए।

प्रश्न 15. कच्चे माल के आधार पर उद्योग कितने प्रकार के होते हैं? नाम लिखिए।

अथवा

ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के कोई चार उपाय लिखिए।

प्रश्न 16. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों को लिखिए।

अथवा

इन्टरनेट से क्या तात्पर्य है?

प्रश्न 17. "प्राकृतिक आपदाओं के लिए वनों का विदोहन उत्तरदायी है"क्या यह सच है? समझाइए।

अथवा

"आपदा प्रबन्धन का ज्ञान प्रत्येक विद्यार्थी को होना चाहिए।" क्यों?

प्रश्न 18. जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड की घटना को लिखिए।

अथवा

सविनय अवज्ञा आन्दोलन का मध्य प्रदेश पर क्या प्रभाव पड़ा?

प्रश्न 19. भारत और चीन युद्ध के क्या परिणाम हुए? लिखिए।

अथवा

आपातकाल क्या है? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 20. समाजवादी एवं पंथ निरपेक्षता का आशय समझाइए।

अथवा

भारत एक धर्म-निरपेक्ष राष्ट्र है, समझाइए।

प्रश्न 21. आर्थिक प्रणाली का अर्थ बताते हुए इसकी विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

पूँजीवाद का अर्थ बताइए तथा इसके लक्षण लिखिए।

प्रश्न 22. दिये गये भारत के मानचित्र में निम्नलिखित को दर्शाइये-

(1) नर्मदा नदी, (2) बंगाल की खाड़ी, (3) कर्क रेखा, (4) छोटा नागपुर का पठार, (5) दिल्ली।

अथवा

मौसम मानचित्रों का महत्व/विशेषताएँ बताए। http://www.mpboardonline.com

प्रश्न 23. 1857 के संग्राम के मध्यप्रदेश क्षेत्र के सम्बन्धित सेनानियों के योगदान का वर्णन कीजिए। (कोई 2)

अथवा

भारत छोड़ो आन्दोलन का मध्यप्रदेश पर क्या प्रभाव पड़ा?

प्रश्न 24. भारत-चीन युद्ध में एकतरफा युद्ध विराम की घोषणा चीन ने क्यों की ? वर्णन कीजिए।

अथवा

कश्मीर समस्या क्या है? विस्तार से समझाइए।

प्रश्न 25. प्रधानमंत्री के कार्य लिखिए।

अथवा

जिला पंचायत के कार्य लिखिए।

प्रश्न 26. जनसंख्या विस्फोट का देश पर क्या प्रभाव पड़ता है? बतलाइए।

अथवा

आतंकवाद क्या है?

ANSWER

:: खण्ड (अ) ::

उत्तर-1. (1) पृष्ठीय जल, (2) नेपानगर, (3) पश्चिम बंगाल, (4) गुरिल्ला, (5) सुभाषचन्द्र बोस।

उत्तर-2. (अ) 4, (ब) 3, (स) 2, (द) 5, (इ) 1

उत्तर-3. (अ) भारत एवं पाकिस्तान, (ब) 1853, (स) 42वें संशोधन द्वारा,

(द) 230, (इ) 1 अप्रैल 1951 से।

उत्तर-4. (अ) सत्य, (ब) असत्य, (स) सत्य, (द) सत्य, (इ) सत्य।

उत्तर-5. (अ)-(iii), (ब)-(iii), (स)-(iii), (द)-(ii), (इ)-(i)।

:: खण्ड (ब) ::

प्रश्न 6. मृदा संरक्षण से आप क्या समझते हैं?

उत्तर- मृदा के अपरदन और विनाश को रोकना मृदा संरक्षण कहलाता है।

अथवा

ऊर्जा के परम्परागत एवं गैर-परम्परागत साधनों के नाम बताइये।

उत्तर- (1) ऊर्जा के परम्परागत साधन में कोयला, खनिज तेल, प्राकृतिक गैस तथा जल-विद्युत् सम्मिलित हैं।

(2) ऊर्जा के गैर-परम्परागत साधन में सौर ऊर्जा , पवन ऊर्जा, ज्वारीय ऊर्जा, भू-तापीय ऊर्जा, गौबर गैस आदि आते हैं।

प्रश्न 7. 1857 के स्वतंत्रता संग्राम का तात्कालिक कारण क्या था?

उत्तर- 1857 के स्वतंत्रता संग्राम का तात्कालिक कारण 'चर्बी वाले कारतूसों का प्रयोग नहीं करना था।

अथवा

नाना साहेब के योगदान को लिखिए।

उत्तर- नाना साहेब- नाना साहेब , संग्राम के अन्य महत्वपूर्ण नेता थे। नाना साहेब भूतपूर्व पेशवा बाजीराव द्वितीय के दत्तक पुत्र थे और बिठूर में निवास करते थे। पेशवा की मृत्यु के उपरान्त लॉर्ड डलहौजी ने नाना साहेब को पेंशन एवं उपाधि देने से वंचित कर दिया था। अतः नाना ने अपने स्वामीभक्त सैनिकों की मदद से अंग्रेजों को कानपुर से निकाल दिया और स्वयं को पेशवा घोषित कर दिया। तात्या टोपे और अजीमुल्लाह नाना साहेब के स्वामीभक्त सेनानायक थे।

प्रश्न 8. 'जॉब कार्ड' क्या है? इसे कैसे प्राप्त किया जाता है?

उत्तर- रोजगार गारंटी योजना के तहत् रोजगार प्राप्त करने वाले पंजीयत परिवारों को ग्राम पंचायत द्वारा रोजगार पत्र (जॉब कार्ड) जारी किया जाता है, जिसमें संबंधितों का पूर्ण विवरण होता है। यह रोजगार पत्र जारी होने के दिनांक से 5 वर्ष के लिये वैध होता एवं प्रत्येक 5 वर्ष की समाप्ति के बाद एक माह के अंदर ग्राम पंचायत द्वारा नवीनीकृत किया जा सकता है। जॉब कार्ड बीपीएल सर्वे पर आधारित होता है। जॉब कार्ड में किसी भी प्रकार के परिवर्तन करने हेतु ग्राम पंचायत सक्षम होती है। कार्ड गुम होने , खराब होने पर निर्धारित शुल्क जमा करके नया कार्ड बनवाया जा सकता है।

अथवा

भूमि विकास बैंक किसान को किस अवधि के लिए ऋण देता है?

उत्तर- भूमि विकास बैंक किसान को दीर्घकालीन अवधि के लिए ऋण देता है।

प्रश्न 9. ज्ञान आधारित समाज किसे कहते हैं? http://www.mpboardonline.com

उत्तर- ज्ञान आधारित समाज- वह समाज जिसमें सभी क्रियाएँ उपलब्ध ज्ञान के आधार पर संचालित होती हैं। दूरसंचार तंकनीक के विस्तार से ज्ञान आधारित समाज की धारणा का विकास हुआ है।

अथवा

दूरसंवेदी इकाई से क्या आशय है?

उत्तर- उपग्रहों के माध्यम से संचालित संचार सेवाएँ , भूजल स्तर मापना, खनिज व पेट्रोलियम पदार्थों का पता लगाना , नक्शा तैयार करना, गुप्त जानकारियाँ आदि सेवाओं का क्रियान्वयन दूरसंवेदी इकाई के द्वारा होता है।

प्रश्न 10. एकाधिकार क्या है?

उत्तर- किसी वस्तु के उत्पादन एवं वितरण पर किसी एक उत्पादक अथवा एक उत्पादक समूह का अधिकार होना, एकाधिकार कहलाता है।

अथवा

उपभोक्ता शोषण के दो प्रकार बतलाइये।

उत्तर- उपभोक्ता शोषण के दो प्रकार हैं- (अ) घटिया गुणवत्ता (ब) मिलावट एवं अशुद्धता

प्रश्न 11. संशोधित वन नीति, 1988 का मुख्य आधार क्या है?

उत्तर- 7 दिसम्बर , 1988 को नवीन वन नीति घोषित की गई जिसके मुख्य आधार निम्नलिखित हैं- (1) पर्यावरण में स्थिरता लाना, (2) जीव-जन्तुओं व वनस्पति जैसी प्राकृतिक धरोहर की सुरक्षा करना, (3) लोगों की बुनियादी जरूरतें पूरी करना।

अथवा

श्वेत क्रान्ति क्या है?

उत्तर- श्वेत क्रान्ति- श्वेत क्रान्ति का अर्थ है डेयरी विकास कार्यक्रमों के द्वारा दुग्ध उत्पादन में वृद्धि। इसमें ग्रामीण क्षेत्रों में दूध का उत्पादन बढ़ाने पर विशेष बल दिया गया है। सरकार द्वारा विदेशी नस्लों की गायों तथा स्थानीय गायों के संकरण से नई जातियों का विकास किया गया है जो अधिक दूध देती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में सहकारी समितियों का गठन कर गाँवों में दुग्ध उत्पादकों के दूध को एकत्रित करके उसे बेचने का प्रबन्ध करती हैं। ये समितियाँ ऋण देती हैं तथा पशुओं की चिकित्सा की व्यवस्था भी करती हैं। यह आन्दोलन गुजरात के खेड़ा जिले से प्रारम्भ होकर बड़ी तेजी से महाराष्ट्र , आन्ध्र प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश में पहुँच गया।

प्रश्न 12. मृदा परिच्छेदिका से क्या तात्पर्य है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- मृदा परिच्छेदिका- पूर्ण विकसित मृदाओं के लम्बवत् परिच्छेद (कटान) में गठन , रंग और परतें एक के ऊपर एक बिछी होती हैं। मृदा की परतों के विन्यास को ही मृदा परिच्छेदिका कहते हैं। इसमें (क) ऊपरी परत को ऊपरी मृदा (ख) दूसरी परत को उपमृदा (ग) तीसरी परत को अपक्षयित मूल चट्टानी परत तथा (घ) चौथी परत में मूल चट्टान होती है। ऊपरी परत की ऊपरी मृदा ही वास्तविक मृदा की परत है , जिसमें ह्यूमस और जैव पदार्थ पाया जाता है।

अथवा

खनिज पदार्थों के संरक्षण के उपाय बतलाइए।

उत्तर- खनिज पदार्थों का संरक्षण हम निम्नलिखित तरीकों से कर सकते हैं-

(i) प्रत्येक राष्ट्र यह समझे कि प्रकृति की यह सम्पदा आने वाली पीढ़ियों के लिए भी है। इसीलिए आर्थिक विकास की दौड़ में खनिज पदार्थों का दोहन सीमित कर दे , जिससे मानव व प्रकृति का संतुलन बना रहे। प्रतिस्पर्धा के कारण मानवीय गुणों का ह्रास न हो। विश्वबन्धुत्व की भावना रखकर हर देश खनिजों के वैकल्पिक साधन तलाशे।

(ii) वातावरण प्रदूषित करने वाले पदार्थों का उपयोग बन्द किया जाना चाहिए।

(iii) खनिज पदार्थों के विकल्प की खोज की जानी चाहिए।

(iv) संयुक्त राष्ट्र संघ (U.N.O.) को हर देश द्वारा खनिज पदार्थों के दोहन व उपयोग पर निगरानी रखना चाहिए।

प्रश्न 13. सन् 1857 की क्रांति में मंगल पाण्डे की क्या भूमिका रही?

उत्तर- मंगल पांडे- मंगल पांडे एक सैनिक था , जो बैरकपुर (बंगाल) स्थित छावनी में पदस्थ था। 29 मार्च 1857 को इस सैनिक ने चर्बी मिले कारतूसों को मुँह से काटने से स्पष्ट मना

कर दिया व क्रोध में आकर अपने अधिकारियों की हत्या कर दी। फलस्वरूप उसे बन्दी बना। लिया गया और 8 अप्रैल 1857 को फाँसी दे दी गयी।

अथवा

भारत में राष्ट्रीय जागृति के विक़ोस में पश्चिम के विचारों और शिक्षा ने क्या भूमिका निभाई?

उत्तर- यद्यपि लॉर्ड मैकाले ने अंग्रेजी शिक्षा का प्रचार भारतीय राष्ट्रीयता को जड़ से समाप्त करने के उद्देश्य से किया था जो ब्रिटिश साम्राज्य के हित सम्वर्धन के लिए कार्य करें। परन्तु अंग्रेजी शिक्षा ने भारतीयों को विदेशी बन्धन से मुक्त होने की प्रेरणा दे दी। अंग्रेजी शिक्षा का ज्ञान होने के कारण भारतीय पाश्चात्य विचारधारा दर्शन और शासन प्रणाली से अवगत हो गए। वास्तव में पाश्चात्य शिक्षा ने भारतीयों में राष्ट्रीयता , स्वतंत्रता, समानता और लोकतंत्र जैसे आधुनिक विचारों को जागृत किया।

प्रश्न 14. सन् 1857 की क्रान्ति के आर्थिक कारण लिखिए।

उत्तर- आर्थिक कारण- भारत में ब्रिटिश शासन की आर्थिक नीतियों के परिणामस्वरूप भारतीय उद्योग व व्यापार नष्ट हो गये। शिल्पकार एवं दस्तकार बर्बाद हो गये , कर प्रणाली ने भारतीय किसानों को बर्बाद कर दिया , भारतीयों को उच्च पदों से दूर रखा जाता था। भारतीय धन हर तरीके से देश से बाहर जा रहा था। इन प्रक्रियाओं के विरुद्ध भारतीयों में असन्तोष व्याप्त था।

अथवा

उग्र राष्ट्रवादी आन्दोलन के विकास तथा कार्यपद्धति पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिए।

उत्तर- राष्ट्रीय आन्दोलन का उग्र स्वरूप सर्वप्रथम महाराष्ट्र में परिलक्षित हुआ। 1893 ई. में बाल गंगाधर तिलक ने महाराष्ट्र में गणपति उत्सव को सार्वजनिक रूप प्रदान किया। 1899 में उन्होंने शिवाजी उत्सव मनाना प्रारम्भ किया। इन उत्सवों का उद्देश्य जनता में राष्ट्रीय भावना का विकास करना था। 1896-97 में अकाल तथा महामारी के कारण महाराष्ट्र में घोर असन्तोष फैला। पंजाब में लाला लाजपतराय , ने उग्रवादी आन्दोलन का नेतृत्व किया। उन्होंने 'कायस्थ समाचार ' के माध्यम से जनता को संघर्ष के लिए प्रेरित किया। बंगाल में उग्रराष्ट्रवाद का जन्म बंगाल विभाजन से हुआ। http://www.mpboardonline.com

बंगाल विभाजन के विरोध में सारे देश में सार्वजनिक सभाएँ की गयी और जुलूस निकाले गये। विपिनचन्द्र पाल ने मद्रास का दौरा किया और जनता में ब्रिटिश शासन के विरुद्ध चेतना उत्पन्न की। भारतीय पत्र-पत्रिकाओं ने भी उग्रवाद आन्दोलन के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उग्र राष्ट्रवादियों की कार्यपद्धति उदारवादियों से भिन्न थी। उग्रराष्ट्रवादी त्याग और बलिदान के बल पर 'स्वशासन प्राप्त करना चाहते थे। बहिष्कार , स्वदेशी और राष्ट्रीय शिक्षा उनके तीन प्रमुख अस्त्र थे , जिनका प्रयोग उन्होंने ब्रिटिश बन्धन से मुक्त होने

के लिए किया। इन नेताओं ने 'स्वराज्य' शब्द का प्रयोग एक भिन्न अर्थ में किया। उनके लिए 'स्वशासन' का अर्थ सिर्फ राजनीतिक अधिकारों की प्राप्ति से नहीं था , वरन् एक ऐसी राजनीतिक व्यवस्था की स्थापना से था , जिसमें जनता का विकास हो सके। उग्र। राष्ट्रवादी बहिष्कार और स्वदेशी की नीति के प्रबल समर्थक थे। 'बहिष्कार' का अर्थ केवल विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार से नहीं था , अपितु इसका व्यापक अर्थ था सरकारी सेवाओं , प्रतिष्ठानों तथा उपाधियों का बहिष्कार। उग्रराष्ट्रवादी नेताओं द्वारा चलाये जा रहे बहिष्कार और स्वदेशी आन्दोलनों को बड़ी सफलता मिली। भारतीय घरेलू उद्योगों के लिए यह वरदान सिद्ध हुआ। कुटीर उद्योगों के विकास के लिए एक राष्ट्रीय कोष का निर्माण किया गया। शीघ्र ही स्कूल एवं कॉलेज इस आन्दोलन के प्रमुख केन्द्र बन गये। अंग्रेजी शिक्षा भारतीयों के बौद्धिक विकास को अवरुद्ध करती थी। राष्ट्रवादियों ने राष्ट्रीय शिक्षा के कार्यक्रम के माध्यम से भारतीयों के बौद्धिक विकास के लिए प्रयास किए। इसका प्रमुख उद्देश्य था- विद्यार्थियों को ऐसी शिक्षा देना , जो देश के हितों के अनुकूल हो। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए राष्ट्रीय शिक्षा परिषद् की स्थापना की गयी।

प्रश्न 15. कच्चे माल के आधार पर उद्योग कितने प्रकार के होते हैं? नाम लिखिए।

उत्तर- कच्चे माल के आधार पर उद्योग तीन प्रकार के होते हैं-

(i) कृषि आधारित उद्योग- जिन्हें कच्चा माल कृषि उत्पाद से प्राप्त होता है , जैसे- सूती वस्त्र उद्योग।

(ii) खनिज आधारित उद्योग- जिन्हें कच्चा माल खनिजों से प्राप्त होता है , जैसे- लोहा-इस्पात उद्योग।

(iii) वन आधारित उद्योग- जिन्हें कच्चा माल वनों से प्राप्त होता है, जैसे कागज उद्योग।

अथवा

ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के कोई चार उपाय लिखिए। .

उत्तर- ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण के उपाय-

(i) कलकारखानों को शहर से दूर स्थापित करना चाहिए।

(ii) उद्योगों द्वारा उत्पन्न शोर को कम करने के लिए नवीन तकनीक का प्रयोग किया जाना चाहिए। इसके लिए शोर शोषक दीवारें भी बनाई जा सकती हैं।

(iii) उद्योगों में मशीनों का रखरखाव सही करके , मशीनों का शोर कम किया जा सकता है। खराब मशीनें शोर अधिक करती हैं।

(iv) अधिक शोर उत्पन्न करने वाले कारखानों में श्रमिकों को कर्ण बन्दकों का प्रयोग अनिवार्य कर देना चाहिए।

प्रश्न 16. अंन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों को लिखिए।

उत्तर- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को प्रभावित करने वाले कारक-

(i) स्थिति- जो देश संसार के व्यापारिक मार्गों पर स्थित होते हैं , उनकी व्यापारिक उन्नति शीघ्र होती है।

(ii) कटा-फटा समुद्र तट- जिन देशों का समुद्र तट बहुत कटा-फटा होता है , वहाँ उन्नत बंदरगाह विकसित होते हैं, लोग साहसी और अच्छे नाविक होते हैं।

(iii) प्राकृतिक साधन- किसी देश का व्यापार वहाँ के प्राकृतिक साधनों की भिन्नता से प्रभावित होता है। प्राकृतिक साधनों में देश की जलवायु , वन, कृषि योग्य भूमि , कृषि उपजें, खनिज आदि सम्मिलित किये जाते हैं। इन्हीं साधनों पर उत्पादन निर्भर करता है।

(iv) आर्थिक विकास- सभी देशों के आर्थिक विकास की स्थिति एक समान नहीं होती। जो देश आर्थिक प्रगति में आगे है, उनका व्यापार अधिक उन्नत होता है।

(v) सांस्कृतिक भिन्नता- संसार के सभी देश सांस्कृतिक रूप से समान नहीं हैं। विभिन्न देशों में सामाजिक एवं धार्मिक दृष्टिकोण , रहन-सहन, रीति-रिवाज, रुचियाँ भिन्न-भिन्न हैं। इस सांस्कृतिक भिन्नता के कारण उत्पादन एवं माँग भी भिन्न-भिन्न है।

(vi) जनसंख्या की भिन्नता- जनसंख्या का असमान वितरण व्यापार को प्रभावित करता है। अधिक जनसंख्या वाले देशों में माँग अधिक रहती है , कम जनसंख्या वाले देशों में लोगों का जीवन स्तर ऊँचा होता है तथा वस्तुओं की माँग अधिक रहती है।

अथवा

इन्टरनेट से क्या तात्पर्य है? http://www.mpboardonline.com

उत्तर- इन्टरनेट इन्टरनेशनल नेटवर्क का संक्षिप्त नाम है। इस सेवा से कोई भी व्यक्ति घर बैठे विदेश की प्रत्येक घटना को देख सकता है व सम्पर्क कर सकता है। विश्वभर के लाखों कम्प्यूटर सूचना केन्द्रों से प्राप्त सूचनाओं व आँकड़ों को अपनी भाषा में सरलता से प्राप्त किया जा सकता है।

प्रश्न 17. “प्राकृतिक आपदाओं के लिए वनों का विदोहन उत्तरदायी है '' क्या यह सच है ? समझाइए।

उत्तर- हाँ, प्राकृतिक आपदाओं के लिए वनों का विदोहन उत्तरदायी है। वनों के विदोहन से वर्षा प्रभावित होती है व सूखे की स्थिति निर्मित होती है। अतः सूखे की स्थिति वनों के विनाश के कारण उत्पन्न होती है। इसी प्रकार वनों के विनाश के कारण वर्षा का जल प्रवाह तेज हो जाता है, जिससे बाढ़ आती है। अतः बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदा भी वन विदोहन का परिणाम होती है। अतः यह कहा सकता है। कि प्राकृतिक आपदाओं के लिए वनों का विदोहन उत्तरदायी है।

अथवा

"आपदा प्रबन्धन का ज्ञान प्रत्येक विद्यार्थी को होना चाहिए।" क्यों?

उत्तर- आपदा प्रबन्धन का ज्ञान प्रत्येक विद्यार्थी को होना चाहिए , क्योंकि आपदा प्रबन्धन क्रियाकलापों की ऐसी श्रृंखला है, जो आपदा से पहले और उसके बाद नहीं, बल्कि एक-दूसरे के समानान्तर चलती रहती हैं। यह व्यवस्था विस्तार और संकुलन मॉडल से भी अधिक है , क्योंकि इस व्यवस्था में यह मानकर चलना पड़ता है कि आपदा समुदाय के भीतर आपदा की रोकथाम, उसके दुष्प्रभाव को कम करने , जवाबी कार्रवाई और सामान्य जीवनस्तर पर लौटने के लिए आपदा प्रबन्धन के समस्त उपाय किए जा सकते है।

प्रश्न 18. जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड की घटना को लिखिए।

उत्तर- रोलेट अधिनियम के विरोध में 6 अप्रैल सन् 1919 को अनेक जगहों पर हड़तालों, काम बंद और प्रदर्शनों के आयोजन किए गए। पंजाब में भी रोलेट अधिनियम का विरोध हुआ , सरकार ने अनेक जगहों पर लाठी , गोली चलवाई। 10 अप्रैल को कांग्रेस के दो। प्रभावशाली नेता डॉ. सत्यपाल और डॉ. सैफुद्दीन किचलू को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया। इसके विरोध में अमृतसर के जलियाँवाला बाग में 13 अप्रैल वैशाखी के दिन एक सभा आयोजित हुई। जब सभा चल रही थी, तब जनरल डायर अपने सैनिकों को साथ लेकर बाग में दाखिल हुआ और बिना कोई चेतावनी दिए जब तक गोला बारूद खत्म न हो जाए , तब तक उसने गोली चलाने का आदेश दिया। गोलाबारी लगभग दस मिनिट तक चलती रही , कोई भी बाहर भाग नहीं सका। बाग में सरकारी आँकड़ों के अनुसार लगभग 400 लोग मृत तथा 1200 लोग घायल हुए। इस दानवीय कार्य ने पूरे देश में गुस्से की तीव्र लहर उत्पन्न की। इस घटना को जलियाँवाला बाग हत्याकांड के नाम से जाना जाता है।

अथवा

सविनय अवज्ञा आन्दोलन का मध्य प्रदेश पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर- सविनय अवज्ञा अन्दोलन का मध्य प्रदेश पर प्रभाव- अप्रैल 1930 में महात्मा गांधी के नेतृत्व में देश में सविनय अवज्ञा आन्दोलन आरम्भ हुआ। 6 अप्रैल को जिस दिन गांधीजी ने दाण्डी में नमक कानून को तोड़ा, उसी दिन मध्य प्रदेश में आन्दोलन फैल गया। जबलपुर में सेठ गोविन्द दास और द्वारका प्रसाद मिश्र के नेतृत्व में प्रदर्शन हुए। 8 अप्रैल को सीहोर, मण्डला, कटनी और दमोह में जुलूस निकले। मध्य प्रदेश में ऐसा कोई भी स्थान नहीं था , जहाँ जनता ने सत्याग्रह में भाग न लिया हो। मध्य प्रदेश में जंगल कानून की अवज्ञा हुई। जंगल सत्याग्रह में आदिवासियों और ग्रामीण जनता ने तो खुलकर भाग लिया। पुलिस ने जंगल सत्याग्रहियों पर गोली चलायी। रियासतों की जनता ने भी गांधीजी द्वारा निर्देशित कार्यक्रम के अनुसार कानूनों की अवज्ञा की। नवयुवकों ने शिक्षा संस्थाओं को छोड़ दिया। सरकारी कर्मचारियों ने नौकरियाँ छोड़ दीं। स्त्रियों ने शराब की दुकानों पर धरने दिये। जैसे-जैसे आन्दोलन का विस्तार हुआ, सरकार ने दमन तीव्रता से किया। परन्तु इस आन्दोलन की

महत्वपूर्ण बात यह थी कि सरकार द्वारा आन्दोलन को दबाने के लिए हर सम्भव प्रयास करने के बावजूद सविनय अवज्ञा आन्दोलन का उत्साह कम नहीं हुआ। 14 जुलाई, 1933 को गांधीजी के निर्देश पर सामूहिक सत्याग्रह बन्द हो गया। उसके पश्चात् व्यक्तिगत सत्याग्रह चलता रहा। मध्य प्रदेश के अनेक सेनानी सत्याग्रह करते रहे। आन्दोलन से प्रभावित अन्य स्थानों पर भी सरकार ने अनेक लोगों को बन्दी बनाया , लाठीचार्ज किया और आन्दोलन को कुचलने का प्रयास किया। उसके पश्चात् 1942 तक पूरे मध्य प्रदेश में रचनात्मक कार्य हुए तथा अलग-अलग घटनाओं ने राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रभावित किया।

प्रश्न 19. भारत और चीन युद्ध के क्या परिणाम हुए? लिखिए।

उत्तर-भारत और चीन युद्ध के परिणाम निम्नलिखित हैं-

(अ) भारत-चीन संबंध तनावपूर्ण हो गए।

(ब) भारत के भू-भाग का एक बड़ा भाग चीन के कब्जे में चला गया।

(स) भारत की अंतर्राष्ट्रीय छवि एवं गुटनिरपेक्ष नीति आहत हुई।

(द) भारतीय विदेश नीति में आदर्शवाद के स्थान पर व्यावहारिकता और यथार्थवाद को स्थान मिला।

(ङ) भारतअमेरिका के संबंधों में सुधार हुआ।

अथवा

आपातकाल क्या है? स्पष्ट कीजिए। http://www.mpboardonline.com

उत्तर- आपातकाल लागू होने के बाद नागरिकों के मौलिक अधिकारों पर प्रभाव पड़ता है। यह आपातकाल राज्य सरकारों की स्वतन्त्रता पर भी प्रभाव पड़ता है। इसमें केन्द्र सरकार की शक्तियाँ बढ़ जाती हैं। केन्द्र राज्य सूची के विषयों पर भी कानून बनाने का अधिकार रखता है। केन्द्र राज्य सरकारों को निर्देश देता है। राज्यपाल की रिपोर्ट पर राष्ट्रपति इस प्रकार का आपातकाल लगाते हैं। अनेक बार इस तरह का निर्णय विवाद का विषय भी बना है। साधारणतः आपातकालीन शक्तियों का प्रयोग देश हित में ही हुआ है। परन्तु सर्वाधिक आलोचना का विषय आपातकाल का वह समय रहा है , जिसे 25 जून, 1975 को भारत में लगाया गया था। इसे आन्तरिक उपद्रव की आशंका का आधार लेकर लगाया गया था। इस आपातकाल की आलोचना इसलिए हुई , क्योंकि इसके माध्यम से भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त प्राण और दैहिक स्वतन्त्रता के अधिकार को राष्ट्रपति के आदेश द्वारा निलम्बित किया गया था। ऐसी स्थिति में कोई भी व्यक्ति न्यायालय से संरक्षण प्राप्त करने के लिए न्यायालय नहीं जा सकता था। इसीलिए जनता पार्टी ने सत्ता में आने के पश्चात् नागरिकों के दैहिक स्वतंत्रता के अधिकार को सुरक्षित करने के लिए संविधान में संशोधन पारित किया। इसके द्वारा यह स्पष्ट किया गया कि दैहिक स्वतंत्रता के अधिकार को राष्ट्रपति के आदेश के द्वारा आपातकाल में भी निलम्बित नहीं किया जा सकता है। 1975 के आपातकाल में

केन्द्र सरकार ने अपने अधिकारों का उपयोग करते हुए विपक्ष के सभी प्रमुख नेताओं को . बन्दी बना लिया। संसद में विचार व्यक्त करने एवं वादविवाद करने के अधिकारों से भी विपक्षी नेताओं को वंचित कर दिया। हजारों निर्दोष नागरिकों को भी जेलों में बन्द कर दिया गया, जिन पर सरकार को केवल सन्देह मात्र था। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं किं तत्कालीन समय में आन्तरिक उपद्रव जैसी कोई स्थिति नहीं थी , परन्तु अनावश्यक रूप से आपातकाल लगाया गया।

प्रश्न 20. समाजवादी एवं पंथनिरपेक्षता का आशय समझाइए।

उत्तर- समाजवादी राज्य से अभिप्राय है कि भारतीय व्यवस्था 'समाज के समतावादी ढाँचे' पर आधारित होगी। प्रत्येक भारतीय की न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति की जाएगी। भारतीय परिस्थिति के अनुसार समाजवाद को अपनाया जाएगा।

संविधान में पंथनिरपेक्ष राज्य का आदर्श रखा गया है। इसका अर्थ है कि राज्य सभी पंथों की समान रूप से रक्षा करेगा और स्वयं किसी भी पंथ को राज्य के धर्म के रूप में नहीं मानेगा। सरकार द्वारा नागरिकों के मध्य पंथ के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाएगा। प्रत्येक व्यक्ति को अपने विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता है।

अथवा

भारत एक धर्म-निरपेक्ष राष्ट्र है, समझाइए।

उत्तर- भारतवर्ष में विभिन्न धर्मों को मानने वाले लोग निवास करते हैं। भारतीय राजनीति किसी धर्म से प्रभावित नहीं है और न ही भारत के आन्तरिक , वैदेशिक मामले धर्म से प्रभावित होते हैं। राष्ट्र सभी को समान मानता है , किसी धर्म विशेष को अन्य धर्मों की तुलना में अधिक महत्व नहीं दिया जा सकता। किसी भी नागरिक को किसी भी धर्म को मानकर उसका प्रचार करने का अधिकार है। राष्ट्रीय स्कूलों में धार्मिक शिक्षा की व्यवस्था नहीं होती। इस प्रकार किसी एक धर्म को बढ़ावा नहीं मिल पाता जो यह स्पष्ट करता है। कि भारत एक धर्म-निरेपक्ष राष्ट्र है।

प्रश्न 21. आर्थिक प्रणाली का अर्थ बताते हुए इसकी विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर-किसी देश में आर्थिक क्रियाओं का संचालन जिस व्यवस्था से होता है , उसे आर्थिक प्रणाली कहा जाता है। प्रो. एम. गोटालिक के अनुसार , "आर्थिक प्रणाली मनुष्य के जटिल संबंधों के उन तरीकों का अध्ययन है जिसके द्वारा अनेक निजी व सार्वजनिक आवश्यकताओं की संतुष्टि के लिए सीमित साधनों का उपयोग किया जाता है। अतः आर्थिक प्रणाली से आशय उस संस्थागत ढाँचे से है। जिसके अंतर्गत मानव का जीवन संचालित होता है। यह एक व्यापक धारणा है और समय तथा परिस्थितियों के अनुसार इसके स्वरूप में परिवर्तन होता रहता है। आर्थिक प्रणाली की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

1. आर्थिक प्रणाली का मुख्य उद्देश्य आर्थिक समस्याओं को हल करना है।

2. अर्थव्यवस्था की मुख्य समस्याएँ हैं-क्या उत्पादन किया जाए , उत्पादन किसके लिए किया जाए और उत्पादन कैसे किया जाए।

3. अर्थव्यवस्था में मानवीय आवश्यकताओं को संतुष्ट करने वाले साधन सीमित मात्रा में होते हैं।

4. आर्थिक प्रणाली के द्वारा मानवीय आवश्यकताओं की संतुष्टि के लिए साधनों के प्रयोग के तरीकों का चुनाव किया जाता है।

अथवा

पूँजीवाद का अर्थ बताइए तथा इसके लक्षण लिखिए।

उत्तर- प्रो. लूक्स एवं हूट के अनुसार , "पूँजीवाद वह अर्थव्यवस्था है जिसमें निजी स्वामित्व और मनुष्य कृत या प्राकृतिक साधनों को निजी लाभ के लिए उपयोग किया जाता है।" प्रो. जॉन स्ट्रेची के अनुसार, "पूँजीवाद शब्द से आशय उस आर्थिक प्रणाली से है जिसमें कारखानों एवं खेतों पर व्यक्तियों का स्वामित्व होता है। पूँजीवाद में संसार प्रेम या स्नेह से नहीं वरन् लाभ के उद्देश्य से कार्य करता है। इस प्रकार स्पष्ट है कि पूँजीवाद में वस्तुओं के उत्पादन एवं वितरण पर निजी व्यक्तियों का अधिकार होता है तथा वे संग्रहित पूँजी का उपयोग अपने लिए कमाने के लिए करते पूँजीवादी प्रणाली के प्रमुख लक्षण निम्नलिखित

1. उत्पत्ति के साधनों पर निजी स्वामित्व- पूँजीवादी आर्थिक प्रणाली की प्रमुख विशेषता यह है कि इसमें उत्पत्ति के सभी साधनों पर निजी व्यक्तियों का स्वामित्व होता है। इस प्रकार पूँजीवाद अर्थव्यवस्था में धन कमाने। और उसका अपनी इच्छा के अनुसार उपयोग करने का। अधिकार होता है।

2. आर्थिक स्वतंत्रता-पूँजीवादी अर्थव्यवस्था में कोई भी व्यवसाय चुनने और उसे इच्छानुसार चलाने की स्वतंत्रता रहती है। उपभोक्ताओं को भी अपनी रुचि एवं आदत के अनुसार वस्तुओं को चुनने की स्वतंत्रता रहती है।

3. लाभ की भावना-इस प्रणाली में लाभ की भावना का सर्वोच्च स्थान है। यही कारण है कि लाभ को पूँजीवादी प्रणाली का हृदय कहा जाता है। पूँजीवाद में सभी गतिविधियों का संचालन लाभ के लिए किया जाता है। उद्यमियों का मुख्य लक्ष्य अपने लाभ को बढ़ाना होता है।

4. शोषण पर आधारित-पूँजीवादी व्यवस्था में दो वर्ग होते हैं , यथा-पूँजीपति वर्ग और श्रमिक वर्ग। पूँजीपति वर्ग अपने लाभ को बढ़ाने के लिए बहुत कम मजदूरी देता है। इससे श्रमिकों का शोषण होता है। इसीलिए कहा जाता है। कि पूँजीवादी आर्थिक प्रणाली शोषण पर आधारित रहती है। http://www.mpboardonline.com

5. मूल्य यंत्र-पूँजीवादी अर्थव्यवस्था का संचालन 'मूल्य यंत्र' के द्वारा होता है। मूल्य यंत्र से आशय अर्थव्यवस्था में विद्यमान माँग एवं पूर्ति की शक्तियों से है।

प्रश्न 22. दिये गये भारत के मानचित्र में निम्नलिखित को दर्शाइये-

(1) नर्मदा नदी, (2) बंगाल की खाड़ी, (3) कर्क रेखा, (4) छोटा नागपुर का पठार, (5) दिल्ली।

उत्तर-

अथवा

मौसम मानचित्रों का महत्व/विशेषताएँ बताइए।

उत्तर- मौसम मानचित्र का महत्व-

(i) मौसम मानचित्रों की सहायता से मौसम का पूर्वानुमान लगाया जाता है। इसे समाचार पत्रों एवं आकाशवाणी के माध्यम से प्रसारित कर , अतिवृष्टि, अनावृष्टि, भूकम्प, ओलावृष्टि, तूफान एवं हिमपात जैसी प्राकृतिक आपदाओं से जन सामान्य को सुरक्षित करने का प्रयास किया जाता है।

(ii) मौसम मानचित्र से प्राप्त पूर्वानुमान नौ-संचालन , वायुयान की सुरक्षित उड़ान , अकाल के दुष्प्रभावों एवं कृषि की सही देखभाल में मदद करते हैं।

प्रश्न.23. 1857 के संग्राम के मध्यप्रदेश क्षेत्र के सम्बन्धित सेनानियों के योगदान का वर्णन कीजिए। (कोई 2)

उत्तर- 1857 के संग्राम के मध्यप्रदेश क्षेत्र के सम्बन्धित प्रमुख सेनानियों का योगदान निम्नानुसार है- http://www.mpboardonline.com

(i) वीरागंना रानी अवंतीबाई- मंडला जिले के वीर सेनानियों में रामगढ़ की रानी ने भी अपनी मातृभूमि के प्रति जिस प्रेम तथा शौर्य का प्रदर्शन किया था , उसके कारण उन्हें हमारे देश की महानतम वीरांगनाओं में स्थान है। रानी अवन्ती बाई ने हड़पनीति के विरोध में अंग्रेजों से टक्कर ली। रानी ने बड़ी बहादुरी के साथ अंग्रेजों का मुकाबला किया लेकिन जब वे चारों

तरफ से अंग्रेज सेना से घिर गयी तब उन्होंने अपने अंगरक्षक के हाथ से तलवार छीनकर उसे अपनी छाती में घोंप लिया तथा वीरगति को प्राप्त हुई।

(ii) राजा बख्तावर सिंह- अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह की चिंगारी प्रज्ज्वलित होने में अमझेरा (धार से लगभग 30 कि.मी.) के राजा बख्तावरसिंह मालवा के पहले शासक थे जिसने कम्पनी के शासन का अंत करने का बीड़ा उठाया था। अंग्रेजों की सेना को राजा ने कड़ी टक्कर दी , किन्तु अपने ही सहयोगियों द्वारा विश्वासघात के कारण बख्तावर सिंह गिरफ्तार किए गए। अंग्रेजों ने उन्हें इन्दौर में फाँसी पर चढ़ा दिया।

अथवा

भारत छोड़ो आन्दोलन का मध्यप्रदेश पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर- मध्यप्रदेश पर भारत छोड़ो आन्दोलन का प्रभाव- अगस्त 1942 में देश के राजनीतिक रंगमंच पर 'भारत छोड़ो' नामक ऐतिहासिक आन्दोलन की शुरुआत हुई। 8 अगस्त को भारत छोड़ो प्रस्ताव बम्बई में होने वाली अखिल भारतीय कांग्रेस समिति ने पारित किया। 9 अगस्त को गांधींजी सहित सारे बड़े नेता बन्दी बनाये जा चुके थे। ऐसी स्थिति में पंडित रविशंकर शुक्ल, द्वारकाप्रसाद मिश्र सहित मध्यप्रदेश के सभी बड़े नेता दमन के नग्न तांडव का सामना करने के लिए अपने प्रदेश वापस लौट आये। प्रत्येक नगर , तहसील और ग्राम में जनता ने अपने-आपको संगठित किया और संघर्ष का सूत्रपात किया। बैतूल जिले में आन्दोलन ने उग्र रूप धारण किया। पुलिस ने गोली चलाकर दमन का प्रयास किया। मंडला , सागर, होशंगाबाद, छिंदवाडा, जबलपुर आदि स्थानों पर जनता ने शासकीय कार्यालयों पर हमला कर अभिलेखों को विनष्ट किया , रेल, तार के परिवहन-साधनों को छिन्न-भिन्न कर दिया। पुलिस ने यहाँ दमनकारी नीति अपनाई। जबलपुर में सेठ गोविन्ददास बन्दी बना लिये गये। इसी प्रतिक्रियास्वरूप आन्दोलन और तेज हुआ। अतः खण्डवा , खरगौन, नरसिंहपुर, दमोह, बालाघाट सहित सभी स्थानों पर नागरिकों ने बढ़-चढ़कर आन्दोलन में भाग लिया।

प्रश्न 24. भारत-चीन युद्ध में एकतरफा युद्ध विराम की घोषणा चीन ने क्यों की ? वर्णन कीजिए।

उत्तर-चीनी फौजों ने 20 अक्टूबर 1962 को भारत-चीन सीमा पर तैनात भारतीय फौजों पर आक्रमण किया। अक्टूबर 1962 का भारत-चीन युद्ध कोई आकस्मिक घटनाक्रम नहीं था। यह सब उन घटनाओं की चरम परिणति थी जो तिब्बत संकट को देखने के बाद आई। चीन द्वारा मैकमोहन रेखा को अस्वीकार किया गया और यह आक्रमण लद्दाख के अक्साई चीन और पूर्व में नेफा (अब अरुणाचल प्रदेश) में व्यापक पैमाने पर हुआ। इस दौरान युद्ध विराम के सुझाव अवश्य सामने आए, किन्तु कोई समझौता नहीं हो सका। चीन ने 26 अक्टूबर 1962 को एक तीन सूत्रीय सुझाव दिया , जिसके जबाव में भारत ने सीमाओं पर यथास्थिति बनाये रखने का सुझाव दिया। अंत में चीन ने 21 नवम्बर 1962 को एकतरफा युद्ध विराम की

घोषणा की। कई विद्वानों ने चीन के एकतरफा युद्ध विराम की घोषणा से निम्न निष्कर्ष निकाले-

(अ) चीन अपनी शक्ति का प्रदर्शन करना चाहता था।

(ब) चीन की नीति विस्तारवादी थी।

(स) चीन विश्व में अपनी आर्थिक व राजनैतिक सर्वोच्चता स्थापित करना चाहता था।

(द) चीन भारतीय गुटनिरपेक्षा की नीति को गलत बताना चाहता था।

(ङ) युद्ध विराम की घोषणा करके चीन विश्व समुदाय का समर्थन प्राप्त करना चाहता था।

अथवा

कश्मीर समस्या क्या है? विस्तार से समझाइए।

उत्तर- कश्मीर भारत की

उत्तर-पश्चिम सीमा पर स्थित होने के कारण भारत और पाकिस्तान दोनों को जोड़ता है। कश्मीर के राजा हरीसिंह ने अपनी रियासत जम्मू-कश्मीर को स्वतंत्र रखने का निर्णय लिया। राजा हरीसिंह सोचते थे कि कश्मीर यदि पाकिस्तान में मिलता है तो जम्मू की हिन्दू जनता और लद्दाख की बौद्ध जनता के साथ अन्याय होगा और यदि वह भारत मिलता है तो मुस्लिम जनता के साथ अन्याय होगा। अतः उसने यथा स्थिति बनाए रखी और विलय के विषय में तत्काल कोई निर्णय नहीं लिया। 22 अक्टूबर 1947 को यह उत्तर-पश्चिम सीमा प्रांत के कबायलियों और अनेक पाकिस्तानियों ने कश्मीर पर आक्रमण कर दिया। पाकिस्तान कश्मीर को अपने में मिलाना चाहता था , अतः उसने सीमाओं पर सेना को इकट्ठा कर चार दिनों के भीतर ही हमलाकर आक्रमणकारी श्रीनगर से 25 मील दूर बारामूला तक आ पहुँचे। कश्मीर के शासक ने आक्रमणकारियों से अपने राज्य को बचाने के लिए भारत सरकार से सैनिक सहायता मांगी, साथ ही कश्मीर को भारत में सम्मिलित करने की प्रार्थना की। भारत सरकार ने इस प्रस्ताव को स्वीकार किया और भारतीय सेनाओं को कश्मीर भेज दिया।

संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद् ने इस समस्या के लिए पाँच राष्ट्रों चेकोस्लोवाकिया , अर्जेण्टाइना, अमेरिका, कोलम्बिया और बेल्जियम के सदस्यों का एक दल बनाया , इस दल को मौके पर जाकर स्थिति का अवलोकन करना था और समझौते का मार्ग ढूँढना था। संयुक्त राष्ट्र संघ के दल ने मौके पर जाकर स्थिति का अध्ययन किया। लम्बी वार्ता के बाद दोनों पक्ष 1 जनवरी 1949 को युद्ध विराम के लिए सहमत हो गए। कश्मीर के विलय का निर्णय जनमत संग्रह के आधार पर होना था। लेकिन जनमत संग्रह का कोई परिणाम नहीं निकला। जवाहरलाल नेहरू जनमत संग्रह की अपनी वचनबद्धता का पालन करना चाहते थे परन्तु पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्रसंघ की शर्तों का उल्लंघन कर अधिकृत क्षेत्र (आजाद कश्मीर) से अपनी सेनाएँ नहीं हटाई थीं। http://www.mpboardonline.com

कबाइली भी वहीं बने हुए थे। अतः जनमत संग्रह कराया जाना संभव नहीं था। पाकिस्तान कश्मीर को छोड़ना नहीं चाहता था बल्कि उसका दावा भारत के नियंत्रण में स्थित कश्मीर पर भी था। पं. नेहरू ने कश्मीर नीति में परिवर्तन किया , उन्होंने जब तक पाकिस्तान अपनी सेना नहीं हटा लेता तब तक जनमत संग्रह से मना किया। कश्मीर के प्रश्न पर सोवियत संघ ने भारत का समर्थन किया। इस समर्थन से भारत की स्थिति मजबूत हो गयी। 6 फरवरी 1954 को कश्मीर की विधान सभा ने एक प्रस्ताव पारित कर जम्मू-कश्मीर राज्य का विलय भारत में करने की सहमति प्रदान की। भारत सरकार ने 14 मई 1954 को संविधान में संशोधन कर अनुच्छेद 370 के अंतर्गत जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा प्रदान किया। 26 जनवरी 1957 को जम्मू-कश्मीर का संविधान लागू हो गया। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर भारतीय संघ का एक अभिन्न अंग बन गया। इसके बाद पाकिस्तान निरंतर कश्मीर का प्रश्न उठाकर वहाँ राजनीतिक अस्थिरता पैदा करने का प्रयास करता रहा है। पाकिस्तान ने इस मामले को सुरक्षा परिषद् में उठाकर जनमत संग्रह की माँग की। पाकिस्तान को इस प्रश्न पर अमेरिका , ब्रिटेन और फ्रांस का समर्थन प्राप्त रहा। परन्तु भारत ने इसका विरोध किया। भारत की मित्रता सोवियत संघ के साथ थी अतः सोवियत संघ ने विशेषाधिकार का प्रयोग कर मामले को शांत किया।

प्रश्न 25. प्रधानमंत्री के कार्य लिखिए।

उत्तर- प्रधानमंत्री के कार्य निम्नलिखित हैं-

1. प्रधानमंत्री मंत्रिमण्डल की बैठकों की अध्यक्षता करता है।

2. मंत्रिपरिषद् में अन्य मंत्रियों को नियुक्ति हेतु प्रधानमंत्री राष्ट्रपति को सलाह देता है।

3. मंत्रियों के विभागों का बँटवारा प्रधानमंत्री करता है। आवश्यकतानुसार वह मंत्रियों के विभागों में परिवर्तन कर सकता है।

4. प्रधानमंत्री मंत्रिपरिषद् के किसी भी मंत्री से त्यागपत्र की मांग कर सकता है। मंत्री द्वारा त्यागपत्र न देने की अवस्था में वह राष्ट्रपति से संबंधित मंत्री को बरखास्त करने को कह सकता है।

5. वह राष्ट्रपति का प्रधान सलाहकार होता है।

6. विदेशों में भारत के राजदूत , राज्यों के राज्यपाल , तीनों सेनाओं के सेनापति , विभिन्न आयोगों के अध्यक्ष एवं सदस्यों आदि की नियुक्तियाँ प्रधानमंत्री की अनुशंसा द्वारा ही की जाती है।

अथवा

जिला पंचायत के कार्य लिखिए।

उत्तर- जिला पंचायत के कार्य निम्नलिखित हैं-

1. जिले की जनपद पंचायतों तथा ग्राम पंचायतों पर नियन्त्रण रखना , उनके मध्य समन्वय करना और उनका मार्गदर्शन करना।

2. जनपद पंचायत की योजनाओं को समन्वित करना।

3. विशेष प्रयोजनों के लिए जनपद पंचायतों द्वारा की गई अनुदान की मांग को राज्य सरकार तक पहुँचाना। 4. जिले की ऐसी योजनाओं को जो दो से

अधिक जनपद पंचायतों में हो का निष्पादन करना।

5. विकास संबंधी क्रियाकलापों , सामाजिक वानिकी , परिवार कल्याण तथा बाल कल्याण और खेलकूद के संबंध में राज्य सरकार को सलाह देना।

6. राज्य सरकार द्वारा निर्देशित अन्य कार्य करना।

प्रश्न 26. जनसंख्या विस्फोट का देश पर क्या प्रभाव पड़ता है? बतलाइए।

उत्तर- जनसंख्या विस्फोट का प्रभाव-

(1) प्रति व्यक्ति आय में गिरावट आती है।

(2) बचत और विनियोग बहुत कम हो पाता है।

(3) भूमि पर जनसंख्या का अधिक भार पड़ रहा है। कृषि योग्य भूमि आवश्यक मात्रा में अनाज उत्पन्न नहीं कर पा रही है।

(4) खाद्यान्न की कमी- खाद्यान्न का उत्पादन सीमित और जनसंख्या में वृद्धि समस्या पैदा करता है।

(5) जनसंख्या वृद्धि के कारण आवास और शिक्षा की समस्या उत्पन्न हो रही है। रहने के लिए आवास निर्माण होता जाता है, परिणामस्वरूप भूमि कम हो रही है।

(6) स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यक मात्रा में पूर्ति नहीं हो पा रही है।

(7) जनसंख्या वृद्धि से मांग बढ़ रही है , वस्तुएँ कम मात्रा में उपलब्ध हो पा रही है , इससे कीमतें बढ़ रही हैं।

(8) बेरोजगारी में वृद्धि- जनसंख्या वृद्धि से श्रम की पूर्ति बढ़ जाती है , इससे बेरोजगारों की संख्या बढ़ जाती है। http://www.mpboardonline.com

(9) ऊर्जा का उपयोग बढ़ जाता है। अधिक बिजली की जरूरत होती है , इससे अधिक बिजलीघरों के निर्माण की आवश्यकता महसूस होती जाती है।

अथवा

आतंकवाद क्या है?

उत्तर- मानव जाति के विरुद्ध कुछ व्यक्तियों या गिरोहों की हिंसा को आतंकवाद कहते हैं। यह लोकतंत्र के विरुद्ध अपराध है। आतंकवाद आज विश्वव्यापी समस्या बन गया है।

आतंकवादी विश्व भर में आतंकी गतिविधियाँ अपनाकर सबको भयभीत और असुरक्षित करना चाहते हैं। ये अनैतिक साधनों को भी न्यायसंगत ठहराते हैं। हिंसक गतिविधियों द्वारा देश की अखण्डता और एकता को नष्ट करना चाहते हैं। कुछ विदेशी ताकतें , कट्टरपंथी ताकतें और अलगाववादी प्रवृत्तियाँ आतंकवाद को प्रोत्साहन दे रही है। ये विश्व में शांति भंग कर सबको भयभीत करना चाहती हैं। आतंकियों द्वारा अतिविकसित देश अमेरिका की वर्ल्ड ट्रेड सेंटर जैसी इमारत को ध्वस्त कर दिया गया। सारा संसार इससे स्तब्ध रह गया। हजारों जानें गईं। अपार धन की हानि हुई और असुरक्षा की भावना बढ़ गई। आतंकवादियों द्वारा अक्सर बम विस्फोट जैसे कार्य किये जाते हैं। ये राज्य और समाज को बांटने का कार्य करते हैं। आतंकवाद का समाज पर निम्न प्रभाव पड़ता है -

(1) नागरिकों में असुरक्षा की भावना पैदा हो जाती है।

(2) आर्थिक विकास के मार्ग में बाधा आती है। जिस गति से विकास कार्य करने हैं , उन्हें छोड़कर बचाव कार्य करने होते हैं। इससे शासकीय योजनाएँ प्रभावित होती हैं।

(3) जन-धन की बहुत हानि होती है। निरपराध लोग मारे जाते हैं। सरकारी और निजी सम्पत्ति को नुकसान पहुँचता हैं।

(4) आतंकवाद से अघोषित युद्ध जैसी स्थिति बन जाती है। कुछ देश आतंकवाद को कूटनीति साधन के रूप में उपयोग करते हैं।